सक्षम विद्यार्थियों को अग्रिम पढ़ाई के लिए दाखिले देने से इन्कार कर देने के समाचार को देख कर हृदय अति दुखित हुआ। देश एक ओर कृषि विकास, औद्योगिक विकास एवं सर्वांगीण विकास की ओर बढ़ने का प्रयास कर रहा है और दूसरी ओर हम सक्षम विद्यार्थियों के लिये उच्च शिक्षा हेतु व्यवस्था तक न कर पायें, यह अति दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। अत: मेरा सरकार से अनुरोध है कि इस विषय में अविलम्ब उचित कदम उठाये जायें।

(v) Directions for providing Security to Journalist.

श्री मूलचन्द डागा (पाली) : उपाध्यक्ष महोदय, पत्रकार समाज क दर्पण हैं जिनमे समाज का असली और नकली चेहरा सामने नजर आता है। इन चेहरों पर जो विकृतियां होती हैं उनके कारणों का पता लगाकर पत्रकार समाज के सामने उनका भंडा-फोड़ करते हैं। ये पत्रकार समाज के सामने असली चेहरा रखते हैं। वे अपने निष्पक्ष विचारों के माध्यम से सभी प्रकार के दबावों से अप्रभावित रह कर सही बातों को समाज के सामने रखते हैं। इस प्रकार सार्वजनिक हित के लिए वे रचनात्मक कार्य में संलग्न सरकारी व गैर-सरकारी स्तर पर पत्रकार अपनी सुरक्षा व सम्मान की समाज से अपेक्षा करते हैं। परन्तु, आजकल आए दिन पत्रकारों पर हमलों की घटनाओं में निरन्तर वृद्धि हो रही है। उनकी स्वतंत्र व निष्पक्ष आवाज दबाने की कोशिश की जाती है और कई बार प्रशासनिक तंत्र उनको सुरक्षा करने में राजनीतिक दबाव के कारण असफल सिद्ध हुआ है। यह लोकतंत्र के लिए अशोभनीय बात है। समाचारपत्रों की स्वतत्रता लोकतंत्र की सजीवता व सुरक्षा के आधार स्तम्भ हैं। इसलिए पत्रकारों को अपनी भूमिका स्वतंत्र रूप से निभाने के लिए प्रशासनिक तंत्र को सुदृढ़ होकर उनको सहायता और सहयोग देना चाहिए। ऐसा नहीं करना, लोकतांत्रिक मूल्यों, परम्पराओं स्वच्छंद पत्रकारिता तथा वैचारिक स्वतन्त्रता पर घोर आघात करना है। इसके लिए सरकार से अपेक्षा की जाती है कि वह अपनी ओर से सभी राज्यों व केन्द्रशासित प्रदेशों को इस प्रकार के निर्देश जारी करेगी ताकि पत्रकार सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत कर सकें और गुण्डे व असामाजिक तत्वों के शिकार होने से बच सकें।

(vi) Help to drought affected people of Andhra Pradesh.

SHRI P. RAJAGOPAL NAIDU (Chittoor) : There is severe drought in Rayalaseema and other areas of Andhra Pradesh. Even during this month there are no rains. Most of the tanks in the drought-affected areas are dry. Even the standing crops are withering out due to lack of water in the irrigation wells. There is no drinking water in many of the villages. The cattle are suffering without fodder. The poor people are without employment. It is for the authorities to come to the rescue of the villagers so as to provide at least drinking water and arrange for supply of fodder to the cattle at concessional rates so as to save cattle. Employment should also be found for the poor who are badly affected by drought. The difficulties of the people have been accentuated by the strike situation prevailing in Andhra Pradesh. It is, therefore, important that the Central Government should see that the drought affected people in Andhra Pradesh are helped in every way.

(vii) Setting up of Advisory body in districts to advise banks to grant loans under various government schemes.

श्री जैनुल बशर : (गाजीपुर) उपाध्यक्ष जी, बैंकों द्वारा अपेक्षित सहयोग न मिलने के कारण 20 सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत तथा राष्ट्रीय ग्रामीण योजना के अन्तर्गत गरीबी रेखा से ऊपर उठाने हेतु चयनित परिवारों को लाभ नहीं मिल पा रहा है। पिछले दिनों मैंने अपने जिले गाजीपुर, उत्तर प्रदेश में इस मामले का अध्ययन किया। मैंने यह पाया कि राज्य सरकार की एजेन्सियों ने परिवारों का चयन करके सहायता हेतु बैंकों के पास विभिन्न कार्यक्रमों के अन्तर्गत जो नाम भेजे थे उनमें बहुत कम लोगों को बैंकों द्वारा सहायता दी गई। राज्य सरकार की एजेंसियां ग्राम-प्रधानों, जन-प्रतिनिधियों आदि की राय से गरीब लोगों का नाम बैंकों के